A **(Printed Pages 3)**

Roll. No. _____

AS-2226

M.A. (Fourth Semester) Examination, 2015

ज्योर्तिविज्ञान

प्रथम प्रश्न-पत्र

(*सिद्धान्त ज्योतिष तथा ग्रहगोल*)

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 100***

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं.1 अनिवार्य** है।

प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) भूमि के स्वरूप का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ख) मध्यम सावन दिन किसे कहते हैं?

(ग) उज्जयिनी पृथ्वी के किस भाग में स्थित है?

(घ) अक्षांश किसे कहते है?

(ड.) सूर्यग्रहण में स्पर्श तथा मोक्ष की दिशा का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

प्रथम वर्ग

2. भास्कराचार्य द्वितीय के अनुसार भुवनकोश का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20

3. लङ्का कुमध्ये यमकोटिरस्याः प्राक् पश्चिमे रोमकपत्तनं च ।
अधस्ततः सिद्धपुरं सुमेरूः सौम्येऽथ याम्ये वाऽवानलश्च ।।
उक्त श्लोक का आशय स्पष्ट कीजिए। 20

द्वितीय वर्ग

4. क्षयमास एवं अधिमास की सोपपत्तिक व्याख्या कीजिए 20

5. शशाङ्कमासोनित सावनेन त्रिंशद्धता ल.धदिनैस्तु चान्द्रैः ।
रूद्रांशकोना.धिरसैः क्षयाह स्यात् सावनोऽतश्च युगेऽनुपातात् ।।
उक्त श्लोक का सविस्तार वर्णन करें। 20

तृतीय वर्ग

6. त्रिप्रश्नवासना के तीनो प्रश्नो की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

7. निरक्षदेशे क्षितिजाख्यवृत्तंमुन्मण्डलं तज्जगुरन्यदेशे । 20
स्वे स्वे कुजेऽर्कस्य समुद्रमोऽस्माच्चरार्धमर्कोदयोस्तु मध्ये ।।
उपर्युक्त श्लोक का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

चतुर्थ वर्ग

8. नति और लम्वन की उपपत्ति लिखिए। 20

9. सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण की सम्भावना का सचित्र प्रतिपादन कीजिए। 20